

शिक्षा के अर्थ

(Meaning of Education)

उपलब्ध ज्ञान के आधार पर शिक्षा के अर्थ को निम्नलिखित आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है।

- (i) शिक्षा का शाब्दिक अर्थ (Etymological Meaning of Education)
- (ii) शिक्षा का संकुचित अर्थ (Narrower Meaning of Education)
- (iii) शिक्षा का व्यापक अर्थ (Wider Meaning of Education)
- (iv) शिक्षा का विश्लेषणात्मक अर्थ (Analytical Meaning of Education)
- (v) शिक्षा का वास्तविक अर्थ (Real Meaning of Education)

(ii) शिक्षा का शाब्दिक अर्थ - शिक्षा शब्द संस्कृत भाषा की 'शिक्ष' धातु में 'अ' प्रत्यय लगने से बना है, जिसका अर्थ है - सीखना एवं सिखाना।

अतः शिक्षा का शाब्दिक अर्थ हुआ - सीखने एवं सिखाने की क्रिया।

शिक्षा का एक पर्यायवाची शब्द 'विद्या' है। विद्या शब्द 'विद्' धातु से बना है जिसका तात्पर्य - जानना, ज्ञान प्राप्त करना है।

'शिक्षा' शब्द के लिए अंग्रेजी में Education शब्द का प्रयोग किया जाता है। एजुकेशन शब्द की व्युत्पत्ति लैटिन भाषा के तीन शब्दों से हुआ है।

एजुकेशन

(Education)

एजुकैटम

(Educatum)

एजुसीयर

(Educere)

एजुकैयर

(Educare)

Educatum = यह दो लैटिन शब्दों से मिलकर बना है।

E + DUCO

Notes

Date | | |

E का अर्थ होता है अन्दर से एवं
duco का अर्थ होता है आगे बढ़ाना/
निकाल करना / बाहर निकालना।

Educere - शब्द का अर्थ है विकसित
करना अथवा बाहर निकालना

(To Lead out) का अर्थ है - आगे
Educare - बढ़ाना। (To Educate, to bring
UP, To Raise)।

अतः एजुकेशन लैटिन भाषा के ही दो शब्दों
क्रमशः ए (E) तथा डूको (duco) के
योग से बना है। जिसमें E का तात्पर्य
अन्दर से, डूको (duco) का तात्पर्य -
बाहर निकालना। इस प्रकार एजुकेशन
का तात्पर्य हुआ - अन्दर से बाहर
निकालना अर्थात् अन्तर्निहित शक्तियों
के प्रस्फुटित होने में सहायक होना।
इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या शिक्षा
कोई कला या पदार्थ है जो यह कार्य
करती है? इस प्रश्न का उत्तर
लैटिन के दो अन्य शब्द एजूसीयर
एवं एजुकैयर से मिलता है।
एजूसीयर का तात्पर्य है - पथ प्रदर्शन करना

और एज्युकेशन का अर्थ है - उठाना (To raise)
 अतः शिक्षा के सन्दर्भ में यह कहा जा सकता है - " शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो मानव की अन्तर्निहित शक्तियों का बाह्य जगत् में प्रकटन करती है। "

(ii) शिक्षा का संकुचित अर्थ (Narrower Meaning of Education)

शिक्षा के संकुचित अर्थ के अनुसार -
 " शिक्षा का तात्पर्य बालक को विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा से लिया जाता है क्योंकि इस प्रकार की शिक्षा में विशेष काल, विशेष पद्धति तथा विशेष पाठ्यक्रम तक निश्चित हो जाता है। "
 वास्तविक रूप में संकुचित शिक्षा से बालक को 'पुरतकीय ज्ञान' प्राप्त होता है। अतः यह शिक्षा बालक के ज्ञानात्मक पक्ष को विकसित करने के लिए उत्तरदायी होती है।

शिक्षा के अर्थ को स्पष्ट करते हुए मिल महोदय ने कहा है - " व्यक्तिगत परिष्कार द्वारा प्राप्त उन्नति को स्थिर रखने के लिए बालक उसी अभिवृद्धि के लिए वर्तमान समाज को संस्कृति

नवीन समाज को प्रदान करता है, वह शिक्षा कहलाती है।
 शिक्षा के संकुचित अर्थ को स्पष्ट करने हुए टी. रेमाण्ट ने कहा है -
 "संकुचित तथा अधिक निश्चित अर्थ में शिक्षा में वैयक्तिक संस्कार तथा आत्म-पेड़ाई का सामान्य प्रभाव निहित नहीं है वरन् उसके केवल वे विशिष्ट प्रभाव निहित हैं जो समुदाय के व्यस्क नागरिकों द्वारा बालकों पर निश्चित एवं जागरूक शैक्षक डाले जाते हैं। व्यस्क नागरिक इन प्रभावों को पूर्व-निश्चित योजना के अनुसार बालकों के संवर्द्धन के लिए डालते हैं।"

(iii) बालक का व्यापक अर्थ (wider

Meaning of Education):

व्यापक अर्थ में शिक्षा के अन्तर्गत उन समस्त अनुभवों को लिया जाता है जो बालक को जीवन पर्यन्त प्राप्त होता है। व्यापक अर्थ में शिक्षा एक जीवन-पर्यन्त चलने वाली, विकासोन्मुख, निरन्तर परिवर्तन करने वाली गतिशील प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत जन्म से मृत्युपर्यन्त तक प्राप्त होने वाले समस्त अनुभव एवं प्रभाव सम्मिलित होते हैं।

(J.S. Mackenzie) के अनुसार "व्यापक अर्थ में शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जो आजीवन चलती रहती है और जीवन में प्रायः प्रत्येक अनुभव से उसके भण्डार में वृद्धि होती है।"

टी. रेमाण्ट (T. Raymond) के अनुसार शिक्षा विकास की वह प्रक्रिया है जिसमें शैशवकाल से पौढ़काल तक विकास कला है जिसके द्वारा वह धीरे-धीरे अपने को अनेक प्रकार के प्राकृतिक सामाजिक और आध्यात्मिक पर्यावरण के अनुकूल बनाता है।"

प्रो. डमविल (Prof Dumville) के अनुसार - "शिक्षा के व्यापक अर्थ में वे सभी प्रभाव आते हैं जो व्यक्ति को जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रभावित करते हैं।"

शिक्षा के व्यापक अर्थ की विशेषताएँ :
 शिक्षा के व्यापक अर्थ की निम्नलिखित विशेषताएँ परिलक्षित होती हैं :
 (1) शिक्षा जीवनपर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है।

- (ii) शिक्षा के क्षेत्र में सम्पूर्ण विश्व का समावेश होता है।
- (iii) शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा मानव में अन्तर्निहित क्षमताओं का विकास कर, विश्व की जमीन पर परिस्थितियों तथा वातावरण के साथ समायोजन स्थापित किया जाता है।
- (iv) मानव का सम्पूर्ण जीवन 'शिक्षा अवधि' होता है।
- (v) व्यापक अर्थ में शिक्षा का केंद्र बिन्दु स्वयं बालक होता है।
- (vi) व्यापक दृष्टिकोण में शिक्षक, शिक्षार्थी एवं मातृदर्शन होता है।
- (vii) शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास करना है।

(iv) शिक्षा का विश्लेषणात्मक अर्थ :-

(Analytical Meaning of Education)

विश्लेषण का तात्पर्य - तत्वों को अलग-अलग करना अर्थात् शिक्षा के प्रक्रिया के भी अनेक तत्व होते हैं। अगर तत्वों का अलग-अलग अर्थ लगाया जाए तो शिक्षा का सही अर्थ सामने

आ जाता है। शिक्षा अर्थ को स्पष्ट करने के लिए उसके अर्थ विषयक विभिन्न तत्वों पर प्रकाश डालते हैं।

(i) शिक्षा विकास की प्रक्रिया है।

(ii) शिक्षा आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। — J.S. Mackenzie

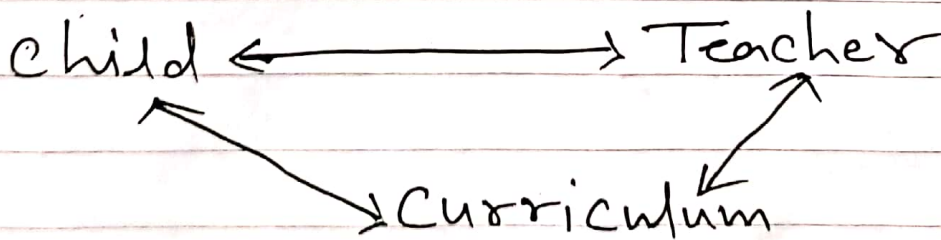
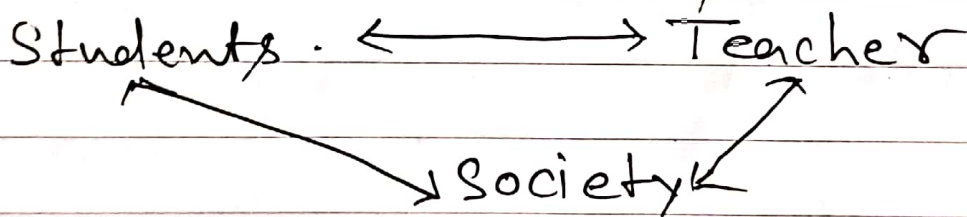
(iii) शिक्षा सीखने-सीखने की प्रक्रिया है।

(iv) शिक्षा द्विध्रुवी प्रक्रिया है।

John Adams, Jem. S. Ross.

(v) शिक्षा शिक्षक-शिक्षार्थी त्रिध्रुवी या त्रिमुखी प्रक्रिया है।

John Dewey.



(vi) शिक्षा समायोजन की प्रक्रिया है।
बॉसिंग (Bossing)

Notes

Date | | |

(vii) शिक्षा अन्तःशक्तियों के सर्वांगीण विकास की प्रक्रिया है।

(viii) शिक्षा जीवन की तैयारी की प्रक्रिया है।

John Dewey.